2.28.1 (66)

कार्यालय मुख्य अभियन्ता स्तर–1
उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग
देहरादून।

(भूगर्भीय आख्या)

आख्या संख्या 32/2236/10

जनपद बागेश्वर में खंडलेख भनार डाना टिकटा मोटर मार्ग हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

Photo copy attested

सहायक अभियन्ता
निर्माण खंड
लो०नि०वि० कपकोट

मई 2010

जनपद बागेश्वर में खंडलेख भनार डाना टिकटा मोटर मार्ग हेतु प्रस्तावित समरेखन की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

1. निर्माण खण्ड, लोक निर्माण विभाग कपकोट के अन्तर्गत 4.00कि0मी0 लेम्बाई में खंडलेख भनार डाना टिकटा मोटर मार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लोक निर्माण विभाग कपकोट के अनुरोध पर प्रस्तावित समरेखन का अधोहस्ताक्षरी द्वारा दिनांक 20.11.2009 को सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता श्री पी0सी0 जोशी के साथ निरीक्षण किया गया।
2. जिला योजना के अन्तर्गत खंडलेख भनार डानां टिकटा मोटर मार्ग का 4.00 कि0मी0 लम्बाई में निर्माण कार्य स्वीकृत है। मार्ग निर्माण हेतु खण्ड द्वारा दो समरेखन बनाये गये हैं। समरेखन संख्या दो पर ग्रामवासियों की असहमति, अधिक वनभूमि प्रभावित होने एंव अन्य तकनीकी बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुये निर्माण खण्ड लोक निर्माण विभाग कपकोट द्वारा समरेखन संख्या एक के अनुसार मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव है। प्रस्तावित समरेखन खंडलेख भनार मोटर मार्ग के कि0मी0 1–2 से आरम्भ होता है तथा ग्राम भनांर, डाना, टिकटा को जोड़ कर समाप्त होता है। समरेखन में दो हेयर पिन बैण्ड दिये गये है। अवगत कराया गया कि समरेखन अलग–अलग भाग में सिविल भूमि, नाप भूमि एवं आरक्षित वनभूमि से होकर गुजरता है। समरेखन क्षेत्र में संधियुक्त क्वार्टजाईट एंव शिस्ट चट्टान हैं तथा स्थान–स्थान पर इनके ऊपर मिट्टी/डेब्री का ओवरबर्डन है। पहाडी ढलान सामान्यतः 30^0 से 55^0 के मध्य है,। स्थल निरीक्षण के दिन समरेखन क्षेत्र मे प्रथम दृष्टया कोई अस्थिरता दृष्टिगोचर नही हुई है।
3. समरेखन क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू–आकृति एंव उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुये निम्न सुझाव दिये जा रहे है, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

(क) यथासम्भव मार्ग की पूरी चौडाई कटान करके प्राप्त की जाये। यह भविष्य में मार्ग की स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। जहां रिटेनिगं दीवार का निर्माण अपरिहार्य हो वहां इनका निर्माण फर्म स्ट्रेटा पर समुचित परिकल्पना के आधार पर कराया जायें।

(ख) मार्ग के आरम्भ में टेक आफ प्वांइन्ट कम ढलान युक्त स्थिर भूमि मे सावधानीपूर्वक बनाया जाये।

(ग) यह सुनिश्चित किया जाये कि समरेखन में प्रस्तावित हेयर पिन बैण्ड कम ढलान युक्त स्थिर भूमि में बनाये जाये।

(घ) तीव्र ढलाान मे मार्ग की एक से अधिक आर्म्स की स्थिति को avoid किया जाये अन्यथा फर्म स्ट्रेटा न होने की स्थिति में मार्ग के कटान के बाद स्थानीय भूस्खलन होने तथा मार्ग के क्षतिग्रस्त होने की सम्भावना हो सकती है।

(ड) समरेखन के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुये बिना विस्फोटकों का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाये।

(च) समरेखन में तीव्र पहाडी ढलान वाले भाग को यथासम्भव बचााया जायें, अन्यथा उस भाग में सावधानीपूर्वक मार्ग कटान किया जाये जिससे कोई अस्थिरता उत्पन्न न हो।

Photo copy
सहायक अभियन्ता
...खंड

(छ) जहां मार्ग कटान की ऊचांई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो, आवश्यक होने पर उस भाग मे मार्ग कटान के साथ–साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाये।

(ज) वर्षा के पानी के समुचित निकासी हेतु रोडसाईड ड्रेन एंव स्कपर का प्रावधान किया जायें। यह भी सुनिश्चित किया जाये कि स्कपर के पानी से भूक्षरण न हो।

(झ) पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिये निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानको एंव विशिष्टियों का भी पालन किया जाये।

4. मार्ग के नव निर्माण विषयक स्थायित्व सम्बंधी बिन्दुः–

(क) मार्ग के कटान के पश्चात हिल साईड मे जिस स्थान पर over burden material होगा तथा पहाडी ढलान slope forming material.के angle of repose.से अधिक होगा उस भाग में वर्षाकाल में पहाड़ी ढलान के अस्थिर होने की सम्भांवना हो सकती है।

(ख) तीव्र चट्टानी ढलान में blasting .किये जाने पर चट्टान के ज्वाइन्ट्स सकिय हो सकते है तथा नई दरारें भी उत्पन्न हो सकती है। अतः जहां आवश्यक हो मार्ग कटान में नियंत्रित ब्लास्टिंग की जायें।

5. खंडलेख भनार डाना टिकटा मोटर मार्ग हेतु 4.00कि0मी0 लम्बाई का प्रस्तावित समरेखन वर्तमान परिस्थितियों में उपरोक्त सुझावों के साथ मार्ग निर्माण के लिये उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

टिप्पणीः–

(1) भूमि हस्तांतरण की दृष्टि से समरेखन क्षेत्र में किये गये निरीक्षण एंव खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात् स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है। समरेखन/मार्ग पर किसी विशिष्ट बिन्दु पर यदि सुझाव की आवश्यकता हो तो उसे अलग से अवगत कराया जाए।

(2) मुख्य अभियन्ता, स्तर–1, लो0नि0वि0, देहरादून द्वारा समस्त अधीक्षण अभियन्ताओं को मार्गों के निर्माण एवं समरेखन निर्धारण के सम्बन्ध में प्रेषित पत्रांक 7272/8(1)याता0–उ0/05 दि0 16.11.2005 में दिये गये निर्देशों का भी अनुपालन किया जाये।

Photo copy attested

सहायक अभियन्ता
निर्माण खड
लो0नि0वि0 कपकोट

H. Kumar 29.5.10
भूवैज्ञानिक
कार्यालय मुख्य अभि स्तर-1
लो०नि०वि० उत्तरांचल
देहरादून